CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 157 □ रायपुर, मंगलवार 30 जून 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

मुख्य न्यायाधीश को 23 राजनीतिक दलों और 1 निर्दलीय सांसद ने लिखा पत्र

नई दिल्ली, 30 जून (न्यूज चैनल)। कांग्रेस ने कहा है कि 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को एक संयुक्त पत्र भेजा है। यह पत्र निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और चुनाव संबंधी अन्य मुद्दों पर है।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। इस पत्र में विपक्षी गठबंधन ने एसआईआर के पालन के मामले में न्यायपालिका से हस्तक्षेप की मांग की है। विपक्षी गठबंधन ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि चुनाव नतीजों को प्रभावित किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में बताया कि 21 विपक्षी राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने 8 जून को हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक में भाग लिया था। अब 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इंडिया गठबंधन की 8 जून, 2026 की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले आदि नेता मौजूद थे। हालांकि, आम आदमी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम जैसे कुछ दल बैठक से दूर रहे, लेकिन उन्होंने भी इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। बैठक के दौरान घोषणा की गई कि इंडिया गठबंधन हर दो महीने में बैठकें करेगा। अगली बैठक अगस्त में तेलंगाना के हैदराबाद में होनी है।

विधायक विक्रम मंडावी ने सीएम साय को लिखा पत्र- निर्दोष आदिवासियों को जेल से रिहा करने की मांग

रायपुर, 30 जून (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखे पत्र में विधायक विक्रम मंडावी ने कहा है कि बस्तर संभाग आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और बीजापुर जिला नक्सल प्रभावित क्षेत्र था, जिसके चलते बस्तर संभाग के जेलों में नक्सलियों के नाम पर कई गरीब, निर्दोष आदिवासी ग्रामीणों को जेल भेजा गया है और ये लोग कई वर्षों से जेल में बंद है।

आदिवासी ग्रामीण कम पढ़े-लिखे होने और आर्थिक पारेशानी के कारण न्यायालय तक नही जा पाते हैं, जिससे जेलों में बंद निर्दोष आदिवासी रिहा नही हो पाते है। विधायक विक्रम मंडावी ने अपने पत्र में आगे लिखा कि वर्तमान में बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। हथियार बंद आत्मसर्मपण नक्सलियों को भी पुनर्वास नीति के तहत सरकार ने माफी दिया है, तो जो निर्दोष आदिवासी नक्सली मामलों में वर्षों से जेलों में बंद है उन्हें भी माफी देते हुए जेल से रिहा किया जाये।

उद्धव ठाकरे की यूबीटी सेना में फिर बड़ी सेंध, एमएलसी सचिन अहिर शिंदे गुट में हुए शामिल

नई दिल्ली, 30 जून (न्यूज चैनल)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के लिए एक और झटका यह है कि पार्टी के एमएलसी सचिन अहीर ने पाला बदल लिया है और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना गुट में शामिल हो गए हैं। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस नए घटनाक्रम ने एक बार फिर एकनाथ शिंदे की राजनीतिक रणनीति पर ध्यान खींचा है, जिसे अक्सर ऑपरेशन टाइगर कहा जाता है। इस रणनीति के तहत पार्टी विरोधी राजनीतिक दलों, खासकर उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना के नेताओं को अपनी ओर खींचती रही है।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, पवन खेड़ा का अजीब प्रश्न है वो प्रधानमंत्री को पूछ रहें हैं कि वे किससे नहीं डरते..! चुहिया- हां जी, लेकिन ये तो प्रधानमंत्री के लिए कोई प्रश्न ही नहीं है।

नकटी गांव में कार्रवाई पर सियासत

भूपेश ने कहा- बीजेपी नेताओं में अनबन, डिप्टी सीएम साव बोले- आपस में लड़ाने की कोशिश न करें, अपनी पार्टी पर दें ध्यान

रायपुर, 30 जून (हाईवे चैनल)। नकटी गांव में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों को पहले यह पता नहीं था कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल और मुख्यमंत्री के बीच अनबन है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर लोग ओपी चौधरी के घर गए होते तो उनके मकान नहीं टूटते, लेकिन लोग बृजमोहन अग्रवाल के घर गए, इसलिए अगले ही दिन उनके मकानों पर बुलडोजर चला दिया गया।

मंगलवार को मीडिया से चर्चा के दौरान भूपेश बघेल के इस बयान

पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि भूपेश बघेल अपनी पार्टी पर ध्यान दें और भाजपा के नेताओं को आपस में लड़ाने की कोशिश न करें। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने उत्कृष्ट खिलाड़ियों के अलंकरण, धर्मांतरण, कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर और ग्रामीण विकास से जुड़ी नई व्यवस्था पर अपनी प्रतिक्रिया दी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की बैठक को लेकर उपमुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में उत्कृष्ट खिलाड़ियों के अलंकरण से संबंधित बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि बैठक में खिलाड़ियों के सम्मान और खेलों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी तथा आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ साहू समाज की बैठक में शामिल होने के बाद उपमुख्यमंत्री ने बताया कि समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में समाज को धर्मांतरण के मुद्दे पर जागरूक और सजग रहने की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया गया। कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर के बाद पार्टी के आक्रामक रुख अपनाने संबंधी सवाल पर अरुण साव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर नहीं, बल्कि अपने नेताओं के बीच संघर्ष में अधिक व्यस्त है।

छत्तीसगढ़ में आकाशीय बिजली का कहर, चरवाहे समेत 3 की मौत

सरगुजा, 30 जून (हाईवे चैनल)। सरगुजा जिले के डुमकी गांव में सोमवार शाम बिजली गिरने से 2 बच्चों और एक युवक की मौत हो गई। वहीं, एक बच्ची झुलस गई। तीनों बच्चे आम बीनने के लिए पेड़ के नीचे खड़े थे। इसी दौरान बैल चरा रहा एक युवक भी वहां आ गया। तभी अचानक पेड़ पर बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में चारों आ गए। यह घटना धौरपुर थाना क्षेत्र की है। हादसे में सागर (5), रानी (9) और राम साय (36) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सागर की बड़ी बहन (12) श्रद्धा गंभीर रूप से घायल है। रायगढ़ में भी सोमवार शाम अचानक मौसम बदला और गरज चमक के साथ बारिश हुई। बता दें कि छत्तीसगढ़ में अगले चार दिनों तक पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 से 3 दिनों में मानसून पूरे छत्तीसगढ़ को कवर कर लेगा, जिससे कई जगहों पर बिजली गिरने की भी आशंका है।

नौगई ट्रिपल मर्डर केस

पीड़ित परिवार से मिले भाजपा नेता विक्रमादित्य सिंह आरोपियों के एनकाउंटर और संपत्ति कुर्क करने की मांग

कोरिया, 30 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के चर्चित नौगई ट्रिपल मर्डर मामले को लेकर जूदेव परिवार के सदस्य एवं भाजपा नेता विक्रमादित्य सिंह जूदेव बैकुंठपुर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना पर शोक व्यक्त किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान विक्रमादित्य सिंह जूदेव ने कहा कि इस घटना से पूरा क्षत्रिय समाज शोक में है। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने की मांग भी की और कहा कि जब तक ऐसी कार्रवाई नहीं होती, तब तक समाज शांत नहीं बैठेगा। इस दौरान उन्होंने अपने बयान में आरोपियों के एनकाउंटर और 'मौत के बदले मौत' जैसी मांग भी रखी।

धर्मांतरित परिवारों को गांव छोड़ने का फरमान, ग्रामीणों ने घर से बाहर निकाला सामान, भारी पुलिस बल मौजूद

नारायणपुर, 30 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में भरण्डा के बाद खड़का गांव में धर्मांतरण को लेकर विवाद शुरू हो गया है. धर्मांतरित परिवारों को गांव छोड़ने का फरमान जारी किया गया है. आदिवासी सामाज के लोगों ने धर्मांतरित परिवारों के घरों से सामानों को बाहर निकाल दिया है. इसके बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

दरअसल, पूरा मामला खड़का गांव का है. जहां आदिवासी समुदाय और धर्मांतरित परिवारों के बीच भारी विवाद की स्थिति बनी हुई है. ईसाई धर्म अपनाने वाले दो परिवारों पर गांव छोड़ने का दबाव बनाते हुए उनके घरों से सामान बाहर निकाल दिया गया है. ग्रामीणों का कहना है कि धर्मांतरित परिवार गांव के सामाजिक कार्यक्रमों में अन्य ग्रामीणों की तरह चंदा दें और आदिवासी देवी-देवताओं और पारंपरिक रीति-रिवाजों को मानें. वहीं प्रभावित परिवारों का कहना है कि वह साल में केवल एक बार ही चंदा देंगे, लेकिन आदिवासी धार्मिक परंपराओं का पालन नहीं करेंगे. इसको लेकर तनाव बढ़ गया है. स्थिति को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि कोई भी अपिहार्य घटना न हो. मामले में प्रशासन की ओर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि हाल ही में भरण्डा गांव में आदिवासी ग्रामीणों ने 26 धर्मांतरित परिवारों को गांव छोड़ने के लिए कहा था. उनपर दबाव बनाया जा रहा था कि ईसाई धर्म अपना चुके लोग पुरानी संस्कृति में लौटें या फिर गांव छोड़ दें।

पूर्व महासचिव चंपत राय से एसआईटी की 3 घंटे तक पूछताछ, कई सवालों पर साधी चुप्पी

नई दिल्ली, 30 जून (न्यूज चैनल)। अयोध्या के भव्य राम मंदिर में दान की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में जांच एजेंसी ने अपनी कार्रवाई बेहद तेज कर दी है। इस हाई-प्रोफाइल घोटाले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से लगभग तीन घंटे तक गहन पूछताछ की और उनका आधिकारिक बयान दर्ज किया। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान जांचकर्ताओं ने चंपत राय के सामने प्रशासनिक फैसलों, दान प्रबंधन और नियुक्तियों से जुड़े कई तीखे सवाल रखे, जिनमें से कई अहम सवालों के जवाब वे नहीं दे पाए।

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस अब चंपत राय के बयान की तुलना जांच के दौरान सामने आए दूसरे गवाहों,

दस्तावेज़ों और तथ्यों से करेगी। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद, पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उम्मीद है कि एसआईटी जुलाई के पहले हफ़्ते में अयोध्या पहुंचेगी, अपनी जांच पूरी करेगी और सरकार को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपेगी। पूछताछ के दौरान, चंपत राय ने पुलिस को बताया कि दान चोरी मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें इस मामले का पता चला, उन्होंने तुरंत कार्रवाई की, संदिग्धों को पकड़ा और पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने आगे कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से एसआईटी के पास शिकायत दर्ज कराई, और उसी के आधार पर मामला दर्ज किया गया। हाँ, शिकायत दर्ज कराने में देरी करना और खुद ही आंतरिक जांच जारी रखना मेरी गलती थी।

सुप्रीम कोर्ट: भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सीबीआई जांच की अपील खारिज; आसाराम मामले में राजस्थान से जवाब तलब

नई दिल्ली, 30 जून (न्यूज चैनल)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कार्यकर्ता भरत भूषण तिवारी की कथित न्यायेतर हत्या की जांच के लिए स्वतंत्र जांच समिति बनाने संबंधी याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू की पीठ ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया। अधिवक्ता विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दायर कर सीबीआई जांच की अपील की थी। पीठ ने सुनवाई से इन्कार करते हुए कहा, यहां इस मामले पर सुनवाई नहीं होगी। आप उच्च न्यायालय जाने को स्वतंत्र हैं। गौरतलब है कि बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव निवासी भरत तिवारी की मौत 17 जून को हुई थी। परिवार का दावा है कि उन्होंने आत्मसमर्पण कर हथियार फेंक दिया था, फिर पुलिस ने गोली मार दी। बिहार सरकार ने शनिवार को घटना की न्यायिक जांच की घोषणा की थी। याचिका में कहा गया कि लोकतांत्रिक समाज में पुलिस को दंड देने वाला प्राधिकरण नहीं बनना चाहिए। यह शक्ति केवल न्यायपालिका के पास है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्वयंभू संत आसाराम की याचिका पर राजस्थान सरकार से जवाब मांगा है। आसाराम ने नाबालिग से दुष्कर्म मामले में अपनी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखने वाले हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। यह दुष्कर्म का मामला 2013 का है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू की पीठ ने आसाराम की सजा निलंबित करने से इन्कार कर दिया। पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने जेल अधिकारियों को आसाराम को चिकित्सा सुविधा देने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि गंभीर स्वास्थ्य स्थिति होने पर ही जमानत पर विचार किया जाएगा। पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अभी जमानत नहीं दी जा रही है। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता डीएस नायडू ने बताया कि आसाराम 80 वर्ष से अधिक उम्र के हैं और कई बीमारियों से पीड़ित हैं।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जनरल धीरज सेठ को सौंपी भारतीय सेना की कमान

नई दिल्ली, 30 जून (न्यूज चैनल)। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने चार दशक से अधिक लंबे सैन्य जीवन के बाद सेना प्रमुख का पदभार जनरल धीरज सेठ को सौंप दिया। इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में जनरल द्विवेदी ने भारतीय सेना में सेवा को अपने जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य बताया। उन्होंने सैनिकों, पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों तथा देशवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय सेना की वास्तविक शक्ति किसी एक व्यक्ति से नहीं, बल्कि जवानों, कमांडरों, पूर्व सैनिकों और देश के नागरिकों के अटूट विश्वास

से आती है। पदभार छोड़ने से पहले जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल से शुरू हुई उनकी यात्रा अविस्मरणीय रही है और चार दशकों से अधिक समय तक भारतीय सेना में सेवा देना उनके लिए गर्व और संतोष का विषय है। उन्होंने उन सभी सैनिकों को नमन किया जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

अपने संबोधन में जनरल द्विवेदी ने पिछले दो वर्षों के दौरान भारतीय सेना की तैयारियों और सतर्कता का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर चलाए गए अभियान स्नो लेपर्ड के तहत सेना ने पूरी मजबूती और सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं।

वहीं पश्चिमी मोर्चे पर भी सेना ने गंभीरता और संयम के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, जिसका उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी मामलों में भारतीय सेना ने स्पष्ट उद्देश्य, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना के साथ अपने दायित्व पूरे किए हैं।

खून से लथपथ मिली महिला की लाश, इलाके में मचा हड़कंप

जांच में जुटी पुलिस

बालोद, 30 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के नेवारीकला गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक महिला की लाश उसके ही घर पर खून से लथपथ मिली। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भौगोलिकसंदर्भ

यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के नेवारीकला गांव का है। मृतका की पहचान दया बाई पति चिमन साहू के रूप में हुई है, जो कि नेवारीकला गांव की रहने वाली थी। दया बाई की लाश आज उसके की घर के कमरे में खून से लथपथ मिली, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, साइबर सेल, डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस सभी पहलुओं की जांच में जुट गई है।

CMYK